पानी की ही नहीं, दूध में दूध की भी की जा रही मिलावट

इंदौर. कुछ समय पहले प्रशासन द्वारा डेरियों में दूध की गुणवत्ता जांचने के लिए मशीनें रखना अनिवार्य किया गया था लेकिन उसके बाद लगातार निगरानी नहीं होने से ये मशीनें या तो हटा ली गईं या बंद पड़ी हैं. इसका सीधा असर आम उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है, जिन्हें शुद्ध दूध मिलने की गारंटी नहीं रह गई है.

इंदौर में बड़ी मात्रा में दूध का व्यापार होता है. शहर और आसपास के क्षेत्रों से रोजाना हजारों लीटर दूध स्थानीय डेरियों में आता है. मांग और आपूर्ति के अंतर को देखते हुए मिलावटी दूध की आशंका भी बनी रहती है. ऐसे में जांच मशीनों की अनुपस्थिति से मिलावट की जांच प्रभावी रूप से नहीं हो पा रही है. कुछ समय पहले प्रशासन ने डेरियों में दूध की गुणवत्ता जांचने के लिए फैट और एसएनएफ मापने वाली मशीनें रखना अनिवार्य किया था, लेकिन लगातार निगरानी नहीं होने से अधिकांश स्थानों पर ये मशीनें या तो हटा ली गईं या बंद पड़ी हैं. इसका सीधा असर आम उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है, जिन्हें शुद्ध दूध मिलने की गारंटी नहीं रह गई है.

पहले थी सख्ती, अब ढिलाई: जानकारी के मुताबिक, पिछली कार्रवाई के दौरान प्रशासन ने करीब 800 से 900 डेरियों में मशीनें लगवाई थीं. शुरुआती दिनों में नियमित जांच से मिलावट करने वालों में हड़कंप मच गया था. लेकिन समय बीतने के साथ मशीनों का रखरखाव नहीं हुआ और निरीक्षण भी कम हो गया. नतीजतन अब अधिकतर डेरियों में ऑन-द-स्पॉट जांच की सुविधा नदारद है. हालांकि कुछ प्रतिष्ठित संस्थान अब भी काउंटर पर फैट जांच मशीन रखे हुए हैं.

उत्पादन से ज्यादा खपत, बढ़ी चिंता : विशेषज्ञों का मानना है कि शहर में दूध की खपत स्थानीय उत्पादन से अधिक है. ऐसे में बाहरी जिलों से दूध की आपूर्ति होती है, जिससे मिलावटी दूध की आशंका बढ़ जाती है. यदि डेरियों में मौके पर ही जांच की व्यवस्था हो तो गुणवत्ता पर बेहतर नियंत्रण संभव है.

उपभोक्ताओं की मांग : स्थानीय नागरिकों और उपभोक्ता संगठनों ने प्रशासन से मांग की है कि दोबारा जांच मशीनें स्थापित की जाएं और नियमित जांच सुनिश्चित की जाए वहीं दूसरी ओर किसानों द्वारा लाए जा रहे दूध की भी जाँच होना चाहिए.

व्यापारी ही क्यों जांच में उलझें : भरत मथुरावाला : दूध संघ अध्यक्ष भरत मथुरावाला का कहना है कि अब कुछ किसान पानी मिलाने के बजाय जर्सी गाय का दूध मिलाकर सप्लाई कर रहे हैं. जर्सी गाय का उत्पादन अधिक और लागत कम होने से फैट में बड़ा उतार-चढ़ाव नहीं दिखता, लेकिन गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है. गाय का दूध भैंस के दूध की अपेक्षा थोड़ा सस्ता होता है. उनका सवाल है कि हर बार व्यापारी ही जांच के दायरे में क्यों आए, जबकि दूध ग्रामीण क्षेत्रों से आता है. जिले में एंट्री पॉइंट पर प्रशासन मोबाइल लैब के जरिए दूध की जांच करे. इस संबंध में कोर्ट के निर्देश भी हैं. उनका कहना है कि दूध रोजमर्रा की जरूरत है और इसमें मिलावट सीधे स्वास्थ्य से जुड़ा मामला है.

प्रशासन का पक्ष...

खाद्य विभाग अधिकारी मनीष स्वामी के अनुसार, समय-समय पर सैंपल लेकर लैब में जांच कराई जाती है. हालांकि डेरियों में ऑन-द-स्पॉट जांच की सुविधा बहाल करने को लेकर फिलहाल कोई स्पष्ट योजना नहीं है, क्योंकि अधिनियम में इसका प्रावधान नहीं है. पिछली बार कलेक्टर द्वारा धारा 144 के निर्देश पर यह व्यवस्था लागू की गई थी. हालांकि यदि कोई उपभोक्ता चाहे तो वह मिलावटी दूध की जांच मोबाइल लेकर या निजी लेब पर करवा सकता है और उस आधार पर सूचना के माध्यम से प्रशासन कार्रवाई करेगा.

जांच प्रक्रिया पर आपत्ति : हेमराज चंदेल

क्षेत्र के किसान हेमराज चंदेल ने भैंस और जर्सी गाय के दूध की जांच प्रक्रिया पर आपत्ति जताई है. उनका कहना है कि दोनों के दूध में फैट की मात्रा अलग होती है, लेकिन जांच के दौरान इस अंतर को सही तरीके से नहीं माना जाता, जिससे किसानों को नुकसान उठाना पड़ता है. उन्होंने कहा कि भैंस का दूध उत्पादन कम और लागत अधिक होती है, जबकि जर्सी गाय का उत्पादन ज्यादा और लागत कम है. दूध उत्पादक दोनों का दूध मिलाकर बेचते हैं जिससे फैट की मात्रा कुछ कम हो जाती है और अधिकारी इस कम फेट की मात्रा में किसानों पर जुर्माना लगा देते हैं जिससे किसानों को जांच कराने में आपत्ति होती है क्योंकि भैंस का दूध और गाय का दूध मिलने के बाद फैट कम बैठता है जिससे अधिकारियों को लगता है कि इसमें मिलावट की गई है जबकि किसान जो दूध शहर भेजता है उसमें गाय और भैंस का दूध मिला होता है जिससे फैट की कुछ मात्रा कम हो जाती है इससे किसान को 10/15रूपये की कमाई हो जाती है.

आंकड़ों में हकीकत

2023-2024	
दूध के नमूने	34
फेल	15
दुग्ध उत्पाद नमूने	220
फेल	70
2024-2025	
दूध के नमूने	29
फेल	1
दुग्ध उत्पाद नमूने	228
फेल	44

2025-2026

- 28 डेरियों से 42 नमूने लिए गए
- 27 रिपोर्ट प्राप्त, सभी मानक स्तर के
- 15 नमूनों की रिपोर्ट आना बाकी

आंकड़े बताते हैं कि मिलावट की समस्या पूरी तरह खत्म नहीं हुई. ऐसे में डेरियों पर जांच मशीनों की वापसी और एंट्री पॉइंट पर मोबाइल लैब जांच करना समय की मांग बन गया है.

डेढ़ करोड़ की लूट का आरोपी नेपाल में, एक साल बाद भी पकड़ से दूर

- सरहद पार करते ही धीमी पड़ गई जांच
- मालिक को बेहोश कर जेवर-नकदी लेकर हुआ था फरार

नव भारत न्यूज

इंदौर. तेजाजी नगर थाना क्षेत्र में बिल्डर को बेहोश कर डेढ़ करोड़ रुपये के जेवर और नकदी लेकर फरार हुआ नेपाली नौकर एक साल बाद भी पुलिस की गिरफ्त से दूर है. पुलिस को उसके नेपाल में होने की जानकारी होने के बावजूद अब तक उसे भारत नहीं लाया जा सका है. मामले में इंटरपोल की मदद लेने का दावा किया जा रहा है, लेकिन अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है.

घटना करीब एक वर्ष पूर्व सिल्वर स्प्रिंग कॉलोनी में हुई थी, जहां रहने वाले बिल्डर अनीस मोहम्मद को उनके घरेलू नौकर दीपक थापा ने साथियों के साथ मिलकर बेहोश कर दिया था. इसके बाद आरोपी घर से सोने-चांदी के जेवर और नकदी सहित करीब डेढ़ करोड़ रुपये का माल समेटकर फरार हो गया था. मामले में तेजाजी नगर थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले थे. शुरुआती जांच में ही पुलिस को आशंका थी कि आरोपी नेपाल भाग सकता है. इसके चलते सीमावर्ती क्षेत्रों तक घेराबंदी की गई, लेकिन वह पुलिस को चकमा देकर सीमा पार करने में सफल रहा.

पुलिस ने कहा... इंटरपोल की ली जा रही मदद

जांच के दौरान पुलिस को यह भी जानकारी मिली थी कि आरोपी का भाई दिल्ली में काम करता है. पुलिस ने तकनीकी निगरानी के जरिए उसके संपर्क सूत्र खंगाले और मोबाइल लोकेशन के आधार पर नेपाल में दीपक थापा से बातचीत होने की पुष्टि की. बताया जाता है कि पुलिस को उसके ठिकाने की जानकारी भी मिली, लेकिन प्रत्यर्पण की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रक्रिया जारी है और इंटरपोल से सहयोग लिया जा रहा है. हालांकि, एक वर्ष बीत जाने के बाद भी गिरफ्तारी न होना पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है. मामला पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है.

युवक ने लगाई फांसी, मौसी कमरे में पहुंची तो लटका मिला शव

- बीमारी व पारिवारिक तनाव से था परेशान

इंदौर. रुस्तम का बगीचा इलाके में मंगलवार सुबह एक युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है. 35 वर्षीय युवक अपने घर में फंदे पर लटका मिला. सूचना मिलने पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है.

तुकोगंज थाना प्रभारी जितेन्द्र यादव ने बताया कि 35 वर्षीय मृतक आकाश पिता राजू लोखंडे पेशे से पेंटर था. वह सोमवार रात भोजन करने के बाद अपने कमरे में सोने चला गया था. आकाश पिछले कुछ दिनों से पीलिया से पीड़ित था. मंगलवार सुबह उसकी मौसी उसे इलाज के लिए अपने साथ ले जाने के लिए घर पहुंचीं. दरवाजा खोलकर अंदर प्रवेश करते ही उन्होंने आकाश को फंदे पर झूलता देखा, जिसके बाद उनकी चीख निकल गई. आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तत्काल उसे नीचे उतारकर एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया. परिजनों ने पुलिस को बताया कि आकाश की शादी करीब आठ वर्ष पूर्व हुई थी, लेकिन वैवाहिक विवाद के चलते दो वर्ष बाद ही पत्नी अलग हो गई थी. इसके बाद से वह अकेला रह रहा था और मानसिक तनाव में रहता था. पुलिस ने मर्ग कायम कर आत्महत्या के कारणों की जांच शुरू कर दी है.

मयूर नगर में भी युवक ने लगाई फांसी

इंदौर. आजाद नगर थाना क्षेत्र के मयूर नगर में भी एक 24 वर्षीय युवक ने अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. थाना प्रभारी लोकेश सिंह भदौरिया ने बताया कि 24 वर्षीय मृतक की पहचान मोहब्बत पिता रमेश निवासी मयूर नगर के रूप में हुई है. परिजनों ने युवक को कमरे में फंदे पर लटका देखा, जिसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतरवाया और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया. फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है. प्रारंभिक जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि युवक किसी मानसिक तनाव या निजी समस्या से तो नहीं जूझ रहा था, मामले जांच की जा रही है.

नौकरी पर जा रही युवती को आयशर ने कुचला, मौत

- भंवरकुआं क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहन ने मारी टक्कर
- हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर हुआ फरार

इंदौर. भंवरकुआं थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में ड्यूटी पर जा रही युवती की जान चली गई. तेज रफ्तार आयशर वाहन ने युवती को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. घटना के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया.

थाना प्रभारी राजकुमार यादव ने बताया कि चौधरी कॉलोनी में रहने वाले आरती पिता फूल सिंह प्रतिदिन की तरह सुबह काम पर जा रही थी. वह मोंटी फूड प्रोडक्ट कंपनी की चॉकलेट फैक्ट्री में कार्यरत थी. प्रभुतोल कांटा के समीप पहुंचते ही पीछे से आ रहे तेज रफ्तार आयशर वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भीषण थी कि आरती सड़क पर दूर जा गिरी और उसके सिर सहित शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं. आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल एंबुलेंस को सूचना देकर उसे एमवाय अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया. घटना के बाद आरोपी चालक वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया. पुलिस ने वाहन जब्त कर लिया है और फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है. हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है.

पानी से भरे गड्ढे में डूबा दो साल का मासूम, मौत

- हीरानगर की अमरपुरी कॉलोनी में हुआ हादसा
- राहगीर ने बाइक से पहुंचाया अस्पताल

इंदौर. हीरानगर थाना क्षेत्र की अमरपुरी कॉलोनी में खेलते समय पानी से भरे गड्ढे में गिरने से दो वर्षीय मासूम की मौत हो गई. परिजन बच्चे को लेकर अस्पताल दौड़े, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है.

थाना प्रभारी सुशील पटेल ने बताया कि दो वर्षीय रुद्र पिता विनोद घर के पास खेल रहा था. इसी दौरान वह अचानक पास ही बने गहरे गड्ढे में जा गिरा, जिसमें पानी भरा हुआ था. जब तक परिजनों को इसकी जानकारी लगी, तब तक बच्चा पानी में डूब चुका था. मासूम को गोद में लेकर उसकी मां सड़क पर मदद के लिए बिलखती रही रही थी, इसी दौरान एमआर-10 चौराहे के पास से गुजर रहे गोपाल नामक युवक ने भीड़ और शोर सुनकर अपनी बाइक रोकी. स्थिति का पता चलते ही उसने बिना देर किए मां और बच्चे को अपनी बाइक पर बैठाकर नजदीकी निजी अस्पताल पहुंचाया. वहां से चिकित्सकों ने गंभीर हालत देखते हुए बच्चे को चाचा नेहरू अस्पताल रेफर कर दिया. गोपाल तत्काल उन्हें बड़े अस्पताल लेकर पहुंचा, लेकिन जांच के बाद डॉक्टरों ने रुद्र को मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है.

बी-फार्मा के छात्र की सड़क हादसे में हो गई मौत

- खुड़ैल रोड पर तेज रफ्तार ट्राले ने मारी टक्कर
- दो अन्य वाहन चालक भी घायल

इंदौर. खुड़ैल थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार ट्राले की चपेट में आने से बी-फार्मा के अंतिम वर्ष के छात्र की मौत हो गई. अनियंत्रित ट्राले ने बाइक सवार छात्र को टक्कर मारने के बाद दो अन्य वाहनों को भी अपनी चपेट में ले लिया. आक्रोशित लोगों ने मौके से भाग रहे चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया.

पुलिस के अनुसार, हादसा देवगुराड़िया रोड पर हुआ. मृतक की पहचान 24 वर्षीय जुनेद पिता जावेद निवासी काजी पलासिया के रूप में हुई है. जुनेद इंडेक्स कॉलेज में बी-फार्मा अंतिम वर्ष का छात्र था और अप्रैल में उसकी डिग्री प्राप्त होने वाली थी. पढ़ाई के साथ वह दवा बाजार स्थित एक मेडिकल शॉप पर काम सीख रहा था, ताकि भविष्य में स्वयं का मेडिकल स्टोर शुरू कर सके. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्राला अत्यधिक गति में था. जुनेद को टक्कर मारने के बाद वाहन अनियंत्रित होकर आगे बढ़ा और दो अन्य वाहन चालकों को भी टक्कर मार दी, जिससे वे मामूली रूप से घायल हो गए. गंभीर रूप से घायल जुनेद को तत्काल एमवाय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया. पुलिस ने ट्राला जब्त कर चालक के खिलाफ लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने एवं गैर-इरादतन हत्या की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

एक नज़र में — आवारा श्वानों के झुंड से लोगों को करना पड़ रहा है असुरक्षा का सामना

डॉग बाइट के बढ़ते मामले बने चिंता और दहशत

इंदौर. शहर में आवारा श्वानों (स्ट्रीट डॉग्स) की बढ़ती संख्या और उनसे जुड़े डॉग बाइट के मामले शहरवासियों के लिए बड़ी चिंता का विषय बने हुए हैं. नगर निगम के छुटमुट प्रयासों के चलते 2026 के शुरुआती महीनों में स्थिति गंभीर बनी हुई है,

इस मामले में हाई कोर्ट की कड़ी टिप्पणी के बाद सुप्रीम कोर्ट ने भी आदेश दिए थे. सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार, शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों, बस स्टैंडों से कुत्तों को हटाकर शेल्टर में रखना अनिवार्य है. लेकिन, नगर निगम ने कोई बड़े और ठोस कदम नहीं उठाए हैं. हालांकि, महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने ठोस कार्ययोजना बनाने और नसबंदी तेज करने के निर्देश दिए हैं. नगर निगम पेट्रोलिंग टीम बनाकर 24 घंटे निगरानी की व्यवस्था कर रहा है.

स्ट्रीट डॉग्स को लेकर वार्ड 39 में भी स्थिति गंभीर होती जा रही है. इस वार्ड के अंतर्गत खजराना क्षेत्र की कॉलोनियों और मुख्य मार्गों पर झुंड के रूप में घूम रहे श्वान राहगीरों पर भौंकते और दौड़ते हैं, जिससे महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों का घर से निकलना मुश्किल हो गया है. क्षेत्र के अधिकतर इलाकों में आवारा श्वानों का आतंक बना हुआ है. वर्तमान में रमजान माह पर्व चल रहा है. ऐसे में नमाज और अन्य धार्मिक गतिविधियों के चलते देर रात तक आवाजाही बनी रहती है, वहीं आवारा श्वानों के झुण्ड से लोगों को असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है. दिन में स्कूल जाने वाले बच्चे और कामकाजी महिलाएं भी भय के साये में गुजरती हैं. स्थानीय नागरिकों ने नगर निगम से तत्काल नसबंदी अभियान तेज करने और प्रभावित क्षेत्रों में विशेष टीम तैनात करने की मांग की है, ताकि बढ़ती समस्या पर नियंत्रण पाया जा सके.

यह बोले रहवासी...

डॉग बाइट से रेबीज जैसी घातक बीमारी होती है. ऐसे में रात में बच्चों को बाहर भेजने से डर लगता है. श्वानों के झुंड अचानक घेर लेते हैं. हमले का डर बना रहता है.
- कादर खान

लापरवाही के कारण लगातार डॉग बाइट के मामले बढ़ रहे हैं. नगर निगम अधिकारी इस विषय को गंभीरता से लें और तुरंत ठोस कार्रवाई करें, ताकि लोगों को इस समस्या से बचाया जा सके.
- इमरान खान

क्षेत्र में अचानक आवारा श्वानों की टोली दिखाई दे रही है. कुछ श्वान तो ऐसे जख्मी हैं, जिनके घाव पर मक्खी और कीड़े बने रहते हैं और वही इंसानों में घातक बीमारी फैलाएंगे.
- आसिफ कुरैशी